अनुक्रमांक ..... मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

नाम .....

102 302(BH)

2026
सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट। **[पूर्णांक : 100**

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो खण्डों – **खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड–क)

1. क) 'उदंत मार्तण्ड' का प्रकाशन वर्ष है

i) 1832 ii) 1836 iii) 1826 iv) 1831 **1**

ख) 'सेवा सदन' के लेखक हैं

i) चतुरसेन शास्त्री ii) प्रेमचन्द iii) विश्वम्भरनाथ शर्मा iv) जयशंकर प्रसाद **1**

ग) 'इंदुमती' रचना की विधा है

i) कहानी ii) नाटक iii) उपन्यास iv) एकांकी **1**

घ) 'कुटज' निबंध के लेखक हैं

i) यशपाल ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

iii) 'अज्ञेय' iv) भारतेन्दु **1**

ङ) छायावादोत्तर युग है

i) शुक्लोत्तर–युग ii) शुक्ल–युग iii) भारतेन्दु–युग iv) द्विवेदी–युग **1**

2. क) जयशंकर प्रसाद की महाकाव्यात्मक कृति है

i) 'झरना' ii) 'लहर' iii) 'कामायनी' iv) 'आँसू' **1**

ख) 'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन–वर्ष है

i) 1943 ii) 1959 iii) 1961 iv) 1951 **1**

UPBoardHub

ग) 'तीसरा सप्तक' का प्रकाशन–वर्ष है

i) 1951 ii) 1959 iii) 1954 iv) 1957 **1**

घ) 'तारसप्तक' के संपादक हैं

i) अज्ञेय ii) निराला iii) मुक्तिबोध iv) धर्मवीर भारती **1**

ङ) 'कामायनी' महाकाव्य में सर्गों की संख्या है

i) 12 ii) 15 iii) 18 iv) 10 **1**

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **$5 \times 2 = 10$**

जन का प्रवाह अनंत होता है । सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है । जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रात:काल भुवन को अमृत से भर देती हैं, तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है । इतिहास के अनेक उतार–चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र–निर्माता जन आज भी आगे बढ़ने के लिए अजर–अमर हैं ।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) 'जन का प्रवाह' से क्या तात्पर्य है ?

iv) राष्ट्रीय जन ने किसके साथ तादात्म्य प्राप्त किया है ?

v) सूर्य की रश्मियों का राष्ट्रीय जन के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

अथवा

रमणीयता और नित्य-नूतनता अन्योन्याश्रित हैं । रमणीयता के अभाव में कोई भी चीज़ मान्य नहीं होती । नित्य-नूतनता किसी भी सर्जक की मौलिकता की पहचान है और उसकी अनुपस्थिति में कोई भी चीज़ सुंदर और आकर्षक नहीं लग सकती ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) लेखक के अनुसार मौलिकता की पहचान क्या है ?

iv) 'रमणीयता' और 'नित्य–नूतनता' में क्या संबंध है ?

v) कौन-सी चीज़ समाज द्वारा स्वीकृत नहीं की जाती ?

UPBoardHub

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

दुःख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात ;
एक परदा यह झीना नील
छिपाये है जिसमें सुख गात ।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप,
जगत की ज्वालाओं का मूल ;
ईश का वह रहस्य वरदान
कभी मत इसको जाना भूल ।

i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) प्रस्तुत पद्यांश का केन्द्रीय भाव लिखिए ।

iv) श्रद्धा किसके हताश मन को प्रेरणा दे रही है और कैसे ?

v) 'रजनी' व 'प्रभात' शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

अथवा

बाँध लेंगे क्या तुझे यह मोम के बंधन सजीले ?
पंछ की बाधा बनेंगे तितलियों के पर रंगीले ?
विश्व का करंदन भुला देगी मधुप की मधुर गुनगुन,
क्या डुबो देंगे तुझे यह फूल के दल ओस–गीले ?
तू न अपनी छाँह को अपने लिए कारा बनाना !
जाग तुझको दूर जाना !

i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) कवयित्री अपने प्रिय को प्रेरित करते हुए क्या कहती हैं ?

iv) 'बाँध लेंगे क्या तुझे यह मोम के बंधन सजीले' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

v) कवयित्री अपने प्राणों को उद्बोधित करती हुई क्या कहती हैं ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) $3 + 2 = 5$

i) प्रो० जी० सुंदर रेड्डी

ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

iii) हरिशंकर परसाई ।

UPBoardHub

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) मैथिलीशरण गुप्त

ii) सुमित्रानन्दन पन्त

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' ।

6. 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

अथवा

'लाटी' कहानी का कथासार अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए ।

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक का चित्रांकन कीजिए ।

iii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के किसी एक सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

vi) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य से सबसे प्रभावी व्यक्तित्व का चित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में वर्णित कीजिए ।

(खण्ड–ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये : 2 + 5 = 7

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् । तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते । किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीं किञ्चिदन्यत् । मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते, नान्यत्र तादृशी ।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे जनाः एकमभिरूपं सौभाग्यप्राप्तं सर्वाकारपरिपूर्णं पुरुषं राजानमकुर्वन् । चतुष्पदा अपि सन्निपात्य एकं सिंहं राजानमकुर्वन् । ततः शकुनिगणाः हिमवत्प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे सन्निपात्य मनुष्येषु राजा प्रज्ञायते तथा चतुष्पदे च । अस्माकं पुनरन्तरे राजा नास्ति । अराजको वासो नाम न वर्तते । एको राजस्थाने स्थापयितव्यः इति उक्तवन्तः । अथ ते परस्परमवलोकयन्तः एकमुलूकं दृष्ट्वा 'अयं नो रोचते' इत्यवोचन् ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

जल–बिन्दु–निपातेन क्रमशः पूर्यते घटः ।
स हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च ।।

अथवा

जयन्ति ते महाभागा जन–सेवा–परायणाः ।
जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्तिनोः क्वचित् ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) अक्ल के घोड़े दौड़ाना (ii) बालू से तेल निकालना

(iii) अपना हाथ जगन्नाथ (iv) आँख के अंधे नाम नयनसुख ।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आधुनिक युग में योग का महत्व बढ़ गया है । इसके बढ़ने का कारण व्यस्तता और मन की व्यग्रता है । यदि मनुष्य शारीरिक रूप से स्वस्थ है, तो वह संसार में रहकर जीवन का सुख भोग सकता है और अपने सभी कर्तव्यों एवं मनोकामनाओं को पूरा कर सकता है ।

(i) हमारा प्रथम कर्तव्य क्या है ? **1**

(ii) शरीर का स्वस्थ रहना क्यों आवश्यक है ? **2**

(iii) आधुनिक युग में योग का महत्व क्यों बढ़ा है ? स्पष्ट कीजिए । **2**

UPBoardHub

बाढ़ की विभीषिका का दृश्य बहुत भयानक होता है । चारों ओर अफ़रा–तफ़री का माहौल होता है । लोग अपनी जान बचाने का विफल प्रयास करते नज़र आते हैं । जल–प्रवाह तेज़ होने या नदियों के तटबंध टूटने से आई बाढ़ में लोगों को अपनी जान बचाने का भी मौका नहीं मिलता । मिट्टी तथा खपैल से बने घर, ताश के पत्तों की तरह बाढ़ के पानी में बहते नज़र आते हैं । लोग जान बचाने के लिए ऊँचे स्थानों की शरण लेते नज़र आते हैं । ऐसी विपदा की स्थिति में नदी में जान बचाने के लिए तैरते साँप दुःख एवं भय को और बढ़ा देते हैं । सरकार द्वारा लोगों को बचाने के लिए नावों एवं हेलीकॉप्टरों से उन तक खाद्य सामग्री पहुँचाने का प्रबंध भी किया जाता है ।

(i) बाढ़ की विभीषिका का दृश्य कैसा होता है ? **1**

(ii) जल–प्रवाह तेज होने से क्या प्रभाव पड़ता है ? **2**

(iii) सरकार द्वारा लोगों की जान बचाने के लिए क्या किया जाता है ? **2**

11. (क) निम्नलिखित शब्द–युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अवलंब–अविलंब –

(अ) लगातार और सुंदर (ब) सहारा और शीघ्र
(स) शीघ्र और सहारा (द) सुंदर और लगातार । **1**

(ii) भवन–भुवन –

(अ) घर और संसार (ब) संसार और घर
(स) महल और संसार (द) संसार और महल । **1**

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : **1 + 1 = 2**

(i) पद (ii) विधि
(iii) नीरज (iv) अंश ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) सौ वर्ष का समय –

(अ) सैकड़ा (ब) आकड़ा
(स) शताब्दी (द) संवत् । **1**

(ii) अधिक बोलने वाला –

(अ) वाचाल (ब) वादी
(स) मिष्टभाषी (द) बहुज्ञ । **1**

UPBoardHub

(घ) निम्नलिखित में से किन्ही दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) यह अनुदित रचना है ।

(ii) आपका आर्शीवाद चाहिए ।

(iii) पक्षी पेड़ में हैं ।

(iv) तुम मेरे को पुस्तक दे दो ।

12. (क) 'करुण रस' अथवा 'शृंगार रस' का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'भ्रान्तिमान' अलंकार अथवा 'अनुप्रास' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'कुंडलिया' छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

13. बैंक के शाखा–प्रबन्धक को स्वरोजगार हेतु ऋण की माँग करते हुए आवेदन–पत्र लिखिए । 6

अथवा

अपने मोहल्ले की समुचित सफाई हेतु नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा–शैली में निबन्ध लिखिए : 9

(i) व्यावसायिक शिक्षा के विविध आयाम

(ii) वर्तमान युवा : दशा और दिशा

(iii) वसुधैव कुटुम्बकम्

(iv) प्राकृतिक आपदाएँ और उनका प्रबन्धन

(v) पुस्तकालय का महत्व ।